दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

क्या दूध का अधिक सेवन बन ...8

बलरामपुर
रविवार, 21 जून 2026
वर्षः 05 अंक : 260 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

ब्रिक्स देशों की दिल्ली में बड़ी बैठक

एनएसए अजीत डोभाल की अगुवाई में सुरक्षा पर बनेगी नई रणनीति

नई दिल्ली। भारत 22–23 जून 2026 को ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक की मेजबानी करेगा। विदेश मंत्रालय (डम्।) ने शनिवार को बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख श्आज दुनिया के सामने मौजूद गैर–पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियांश विषय पर अपने विचार साझा करेंगे। वे राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के तेजी से बदलते स्वरूप और उभरते सुरक्षा खतरों में नई तकनीकों की भूमिका पर चर्चा करेंगे।

बयान के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार/प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख आतंकवाद–रोधी और सूचना व संचार तकनीकों के इस्तेमाल में सुरक्षा पर हाल ही में हुई ब्रिक्स संयुक्त कार्य समूहों की बैठकों के नतीजों की समीक्षा भी करेंगे। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत 2026 में चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा हैय इससे पहले भारत ने 2012, 2016 और 2021 में इसकी अध्यक्षता की थी। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता ष्लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणष थीम पर आधारित है, जो प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2025 के रियो शिखर सम्मेलन में बताए गए लोगों पर केंद्रित और मानवता को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण को दर्शाती है।

तेज प्रताप यादव का सनसनीखेज आरोप

आकाश यादव रच रहे लालू और मेरी हत्या की साजिश

जनशक्ति जनता दल के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपने पूर्व सहयोगी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने तेज प्रताप और उनके पिता की हत्या की साजिश रची थी। शुक्रवार को सचिवालय पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में तेज प्रताप यादव ने आरोप लगाया कि उनके पूर्व सहयोगी आकाश यादव और उनके परिवार ने उन्हें और उनके बीमार पिता को मारने की साजिश रची है। यादव ने पत्रकारों से कहा कि मेरी शिकायत के आधार पर आकाश यादव, उनकी बहन अनुष्का यादव और छह अन्य लोगों के खिलाफ थ्प्त् दर्ज की गई है। वे मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे पिता लालू प्रसाद जी बीमार हैं... वे मुझे और मेरे पिता को मारने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने का अनुरोध किया। शिकायत में जिन लोगों के नाम हैं, उनमें अनुष्का यादव भी शामिल हैं। तेज प्रताप ने दावा किया था कि वे उनके साथ रिलेशनशिप में हैं, जबकि वे पहले से ही किसी दूसरी महिला से शादीशुदा थे। इस घटना के बाद उनके पिता ने उन्हें त्श्रक से निकाल दिया, हालांकि बाद में पूर्व राज्य मंत्री ने अपनी बात वापस ले ली और दावा किया कि यह उनके ष्हैक्डष सोशल मीडिया हैंडल की वजह से हुई गलतफहमी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कथित धमकी किसी बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा हो सकती है।

अमित शाह का बड़ा ऐलानः अब सिर्फ एक शिवसेना, एकनाथ शिंदे ही उसके असली नेता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 जून को कहा कि शिवसेना में अब कोई गुट नहीं है और पार्टी की कमान पूरी तरह से एकनाथ शिंदे के हाथों में है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक धन्यवाद रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने शिवसेना में बगावत की अटकलों के बीच कहा कि पहले हमें शिवसेना के शिंदे गुट को (एकनाथ) शिंदे के नाम से बुलाना पड़ता था। अब कोई गुट नहीं है। सिर्फ एक ही शिवसेना है। इस कार्यक्रम के दौरान, शाह ने कोल्हापुर के माता अंबाबाई मंदिर में पूजा–अर्चना की और मंदिर के आधुनिकीकरण व सौंदर्यीकरण के लिए आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि आज महाराष्ट्र की इस पवित्र भूमि पर, जहाँ माता अंबाबाई का निवास स्थान हैकृइस कोल्हापुर मेंकृ हम सभी एक बहुत नेक काम के लिए इकट्ठा हुए हैं। करवीरनगर, जहाँ माता अंबाबाई स्वयं विराजमान हैं, वहाँ आज महाराष्ट्र सरकार माता अंबाबाई के मंदिर के जीर्णोद्धार और कॉरिडोर निर्माण का काम कर रही है। सांस्कृतिक पुनरुद्धार पर जोर देते हुए, शाह ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ष्विकास भी, विरासत भीष के विजन के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा, ष्महाराष्ट्र में सभी ज्योतिर्लिंगों और शक्तिपीठों का पुनर्विकास और कायाकल्प किया जा रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।ष यह बयान उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना (न्ठज) गुट में चल रही उथल–पुथल के बीच आया है, जहाँ श्ऑपरेशन टाइगरश के तहत बड़े पैमाने पर पार्टी छोड़ने की घटना हुई है और न्ठज के कई सांसदों ने शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी का दामन थाम लिया है। इस घटनाक्रम के कारण पार्टी में अंदरूनी कलह मची है, सांसद गायब हैं और कानूनी कार्रवाई की धमकियाँ भी मिल रही हैं। इसके जवाब में, शिवसेना (न्ठज) ने गैर–हाजिर सांसदों को एक नया श्शो कॉज नोटिसश जारी किया है और उन्हें अयोग्य ठहराए जाने की चेतावनी दी है। लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप अनिल देसाई ने सांसदों से उनकी गैर–हाजिरी के लिए 24 घंटे के अंदर लिखित स्पष्टीकरण की औपचारिक मांग की है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि जवाब न देने पर इसे पार्टी से स्वैच्छिक इस्तीफा माना जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची, जिसे दलबदल विरोधी कानून के नाम से जाना जाता है, के तहत कार्रवाई की जाएगी।

नीट छात्र को अबू धाबी सेंटर, भड़के राहुल बोले– बच्चों के भविष्य से जुएबाजी बंद करो

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार और देश की शिक्षा व्यवस्था की आलोचना की। यह आलोचना तब की गई जब NEET-UG 2026 की दोबारा परीक्षा देने वाले एक छात्र को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अपना एडमिट कार्ड देखने के बाद छात्र बहुत तनाव में आ गया, क्योंकि उसके पास विदेश यात्रा के लिए पासपोर्ट भी नहीं था। उन्होंने कहा कि नागपुर का एक छात्र एक महीने से **NEET** की दोबारा परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

परीक्षा से ठीक एक दिन पहले उसने अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। उसका सेंटर अबू धाबी में निकला। न पासपोर्ट, न परिवार के पास उसे विदेश भेजने के लिए पैसे, और अब समय भी नहीं बचा था। वह पूरी रात रोता रहा और परीक्षा देने से इनकार कर रहा है – यह किस तरह का तनाव है, क्या आप इसकी कल्पना भी कर सकते हैं? गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि परीक्षा में शामिल होने वाले किसी भी छात्र को अपने सेंटर तक न पहुँच पाने की शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिर ऐसा कैसे हो गया? कल किसी भी छात्र को अपने सेंटर तक न पहुँच पाने को लेकर कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए थी।

कुछ लोग कुत्ते होते हैं, लेकिन वफादार नहीं, उद्धव ठाकरे पर शिंदे के तंज के बाद संजय राउत का पलटवार

शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी संदेश पोस्ट किया। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी के छह लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। राउत ने हिंदी वाक्यांश कुछ लोग कुत्ते तो होते हैं, लेकिन वफादार नहीं होतेष (कुछ लोग कुत्ते हो सकते हैं, लेकिन वे वफादार नहीं होते) वाली एक छवि साझा की, साथ ही कैप्शन दिया, ष्जय महाराष्ट्र! यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब उद्धव बालासाहेब ठाकरे के गुट को एक और बड़े बंटवारे का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले 2022 में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अगुवाई में हुई बगावत ने पार्टी का स्वरूप बदल दिया था।

जनता महंगाई से त्रस्त, भाजपा नेताओं की खरीद–फरोख्त में व्यस्तः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर देश की अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन का गंभीर आरोप लगाया है। खरगे ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब देश की आम जनता के लिए अपनी रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतों का खर्च उठाना भी मुश्किल होता जा रहा है, ऐसे समय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अन्य दलों के नेताओं की खरीद–फरोख्त (हॉर्स–ट्रेडिंग) में व्यस्त है। कांग्रेस अध्यक्ष का यह बयान तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना में हुई हालिया सियासी बगावत और राजनीतिक उथल–पुथल की पृष्ठभूमि में आया है।

शरद पवार की एनसीपी में बड़ी सेंधमारी की तैयारी ? 5 MP छोड़ेंगे साथ!

शिवसेना और शिव सेना (**UBT**) के बीच चल रही लड़ाई के बीच, महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तो जारी है ही, साथ ही नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के भीतर भी संभावित राजनीतिक बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के विधायक धर्मराव अत्राम ने दावा किया कि शरद पवार के नेतृत्व वाली NCP (SP) के पांच सांसद दिसंबर तक सत्ताधारी NCP गुट में शामिल हो सकते हैं। अत्राम ने कहा कि हर कोई विकास कार्य करके वापस आना चाहता है। कम से कम पांच लोकसभा सांसद 12 दिसंबर तक हमारे साथ आ जाएंगे। लोगों को सुनेत्रा पवार के नेतृत्व पर भरोसा है और उन्हें एहसास हो गया है कि अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास लाने के लिए उन्हें हमारे साथ आना होगा।

योगी आदित्यनाथ का नेहरू पर बड़ा हमला, सोमनाथ मंदिर का विरोध औपनिवेशिक मानसिकता थी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को झांसी में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोमनाथ मंदिर के इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आजादी के ठीक बाद के वर्षों में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उचित सम्मान नहीं मिला। गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद उप–प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर के जीर्णोद्धार की पहल की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस कदम का विरोध किया था। योगी ने आगे कहा कि जब भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर में मूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का फैसला किया, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री ने एक पत्र के जरिए उन्हें ऐसा करने से रोका था। मुख्यमंत्री के अनुसार, ऐसे फैसले औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाते थे, जिसका असर उस दौर में देश की नीतियों और सोच पर बना हुआ था। उन्होंने कहा देश पर अभी भी गुलामी की मानसिकता का असर था। इसी वजह से भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसकी वे हकदार थीं। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक पुनरुद्धार और राष्ट्रीय धरोहर को बचाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि भारत अब अपनी सभ्यता की जड़ों को लेकर गर्व की नई भावना महसूस कर रहा है। हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि आजाद भारत में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े अहम धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया है, जिनमें अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास और प्राण–प्रतिष्ठा समारोह शामिल हैं। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने परिवार–केंद्रित राजनीति की। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का समर्थन खोने के बाद, इन दलों ने राजनीतिक फायदे के लिए समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश की।

बंगाल में टीएमसी राज खत्म

पीएम बोले : बेड़ियां टूटीं, नई उम्मीदों के साथ विकास यात्रा शुरू

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बीजेपी की ऐतिहासिक जीत के बाद पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा आई है और राज्य आखिरकार तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) के एक दशक से ज्यादा के शासन की बेड़ियों से आजाद हो गया है। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल दिवस के मौके पर ये बातें कहीं। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव और शपथ ग्रहण समारोह के बाद बंगाल का यह मेरा पहला दौरा है। अब बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है। ऐसा लगता है कि बंगाल आखिरकार अपनी बेड़ियों से आजाद हो गया है।प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि लोगों में खुशी का माहौल बदलते बंगाल की भावना को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी–एनडीए सरकार ने पिछली लेफ्ट फ्रंट और टीएमसी सरकारों द्वारा छोड़ी गई कमियों को पूरा करने के लिए बंगाल में विकास की गति को तेज किया है। उन्होंने कहा कि आज का ये कार्यक्रम... ये साक्षी है, इन परियोजनाओं का शुभारंभ ये गवाह है कि हमारा बंगाल अपने नए भविष्य के निर्माण में जुट गया है। बंगाल के लोगों के चेहरे की ये चमक... गांव गांव में खुशी और विश्वास का भाव... मैं आपके इस आनंद में भागीदार बनने के लिए आया हूं। आपका एक वोट, एक चुनाव... कितना कुछ परिवर्तन कर सकता है, ये बंगाल में साफ साफ नजर आ रहा है।

मोदी ने कहा कि मैं इस अवसर पर बंगाल के लोगों को, और सभी देशवासियों को इस आयोजन की पश्चिम बंग दिवस की बहुत–बहुत बधाई देता हूं। मैं आप सभी की स्वच्छता से स्वागत पहले के लिए भी सराहना करना चाहता हूं। स्वच्छता हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। जहां स्वच्छता होगी, वहां विकास भी काफी सुंदर दिखेगा। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंग दिवस की ये तारीख और भी बहुत खास है। आजादी के बाद बंगाल के उज्ज्वल भविष्य के लिए जो सपना देखा गया था, बंगाल की महान आत्माओं ने जो परिकल्पना की थी, आज एक तरह से पहली बार हम पश्चिम बंग दिवस पर उन सपनों को सच्चाई में बदलते देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये ऐतिहासिक तारीख पश्चिम बंगाल के विकास की प्रेरणा बने, हम एक नया और गौरवशाली इतिहास रचे... आज बीजेपी–एनडीए सरकार में इसके लिए विकास के महा–अभियान की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में दशकों तक पहले लेफ्ट और फिर टीएमसी ने जो गड्ढे बनाए, उसे भरने के लिए डबल इंजन की सरकार ने सुपर–फास्ट स्पीड से काम करना शुरु कर दिया है। बिजली की रफ्तार से फैसले हो रहे हैं। रुकी हुई योजनाओं पर काम आगे बढ़ने लगा है।

कश्मीर में 36 साल बाद वापस लौटा कश्मीरी पंडित परिवार, रेस्तरां खोलकर शुरू किया नया कारोबार

उत्तर कश्मीर के हंदवाडा कस्बे में एक कश्मीरी पंडित परिवार की वापसी ने घाटी में उम्मीद, मेलजोल और सहअस्तित्व का नया संदेश दिया है। हम आपको बता दें कि आतंकवाद के चरम दौर में वर्ष 1990 में कश्मीर छोड़ने को मजबूर हुआ यह परिवार 36 वर्षों बाद अपने पुश्तैनी घर लौटा है। परिवार ने हंदवाडा में 'टेस्ट एंड ट्रीट्स' नाम से एक रेस्तरां भी शुरू किया है। रेस्तरां की मालकिन चंद्रा धर ने कहा कि अपने शहर और वहां के लोगों से गहरे भावनात्मक जुाव ने उन्हें वापस लौटने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि उनके ससुराल वाले लंगेट के हैं, लेकिन उनका बचपन हंदवाडा में बीता है। उन्होंने कहा कि वह कभी भी अपने लोगों से दूर नहीं रहना चाहती थीं, जिनके साथ उन्होंने जीवन के सबसे सुंदर पल बिताए। रेस्तरां के उद्घाटन के दौरान चंद्रा धर ने स्थानीय मुस्लिम समुदाय के सहयोग की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि लोगों के प्रेम और समर्थन की वजह से ही उनका यह सपना पूरा हो सका। उन्होंने कहा कि रेस्तरां में लोगों को आते देख ऐसा लगता है जैसे बचपन की यादें फिर से लौट आई हों। सुरक्षा को लेकर उठने वाली आशंकाओं को खारिज करते हुए चंद्रा धर ने कहा कि उन्हें कश्मीर में कभी असुरक्षित महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि वह पहले भी नियमित रूप से यहां आती रही हैं और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने हमेशा उन्हें अपनी बेटी की तरह अपनाया। उन्होंने कहा कि लोगों ने हर समय उनका सम्मान किया और उन्हें सुरक्षा का एहसास दिलाया। उन्होंने कहा कि हंदवाडा में उन्हें कभी अकेलापन महसूस नहीं होता, क्योंकि स्थानीय समुदाय का स्नेह और सहयोग उन्हें अपनेपन का एहसास कराता है। वहीं चंद्रा धर के बेटे आकाश धर ने इस रेस्तरां को संघर्ष, धैर्य और एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि वह अपने घर से दूर रहे हों। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने इस कारोबार को स्थापित करने में काफी मदद की। उन्होंने बताया कि रेस्तरां में फास्ट फूड, ताजे जूस और शेक परोसे जाएंगे और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। देखा जाये तो इस परिवार की वापसी ऐसे समय में हुई है जब विस्थापित कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई है। हाल ही में सात सामुदायिक संगठनों ने श्रीनगर में आयोजित एक सम्मेलन के दौरान 'प्रागाश प्रस्ताव' को अपनाया, जिसमें न्याय, सांस्कृतिक संरक्षण और कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी का रोडमैप पेश किया गया। छह से चौदह जून तक चले इस सम्मेलन को वर्ष 1990 के बाद समुदाय की सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक माना गया। इसी बीच, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी ने भी कश्मीरी पंडित पुनर्वास के लिए बनी शीर्ष समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग उठाई है। हम आपको बता दें कि यह समिति वर्ष 2009 में गठित की गई थी, लेकिन 2014 में भंग कर दी गई थी। वानी ने कहा कि केवल सम्मेलन आयोजित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सरकार और समाज को मिलकर गंभीर बातचीत करनी होगी ताकि कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी का रास्ता तैयार किया जा सके। वहीं भाजपा की कश्मीर विस्थापित जिला (केडीडी) इकाई ने घाटी के विभिन्न जिलों के प्रशासन के साथ कई बैठक कर कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों पर हुए अतिक्रमण हटाने और विस्थापित समुदाय के कर्मचारियों के लिए अलग से शिकायत निवारण शिविर लगाने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक के मामले में प्रभारी निरीक्षक ने दिए जांच के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम टांगिया बालपुर निवासी चिनगुद पुत्र भवानी प्रसाद द्वारा अपने पुत्र दीप नारायण के साथ हुई सड़क दुर्घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है।प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि दिनांक 15 जून 2026 को ग्राम ककरहा बालपुर के पास मारुति सुजुकी ऑल्टो कार के चालक द्वारा कथित रूप से तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल में पीछे से टक्कर मार दी गई, जिससे दीप नारायण एवं उनके भाई पंकज गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल दीप नारायण की कमर में गंभीर चोट एवं फ्रैक्चर होने की बात बताई गई है।मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात ने प्रार्थना पत्र पर जांच एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस द्वारा दुर्घटना से संबंधित तथ्यों, अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।पीड़ित परिवार ने दोषी वाहन चालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई तथा न्याय की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महादेवा विधानसभा क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात, पक्कवा बाजार चौराहे पर नए पुल निर्माण कार्य का शुभारंभ....

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए पक्कवा बाजार चौराहे पर लोक निर्माण विभाग (सीडी–1) द्वारा

प्रस्तावित पुल के नव निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महादेवा विधायक दूधराम ने विधिवत पूजा–अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दूधराम ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से पुल निर्माण की मांग थी, जिसके पूर्ण होने से आवागमन की सुविधा बेहतर होगी तथा क्षेत्र के विकास को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि पुल के निर्माण से स्थानीय नागरिकों, किसानों, व्यापारियों एवं विद्यार्थियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।पुल के शुभारंभ अवसर पर मुख्य रूप से इंद्रेश चौधरी, विधायक प्रतिनिधि फूलचंद श्रीवास्तव, सुशील दुबे, पवन चौधरी, अभिषेक यादव, उमेश चौधरी, संतोष पांडेय, लोक निर्माण विभाग (सीडी–1) के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। भूमि पूजन के साथ ही पुल निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ हो गया, जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर कांग्रेसजनों एवं इंडिया गठबंधन के नेताओं ने काटा केक, किया सामूहिक भोज का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के 56वें जन्मदिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित होटल रिश्ता दरबार में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के

साथ–साथ इंडिया गठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद चंद्रभालमणि तिवारी, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मंगलदेव सिंह तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवराम सिंह रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह श्धीरूश ने किया, जबकि अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी धीरज गुर्जर ने वीडियो कॉल के माध्यम से राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बधाई दी। इसके उपरांत उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जन्मोत्सव मनाया तथा सामूहिक भोज का आयोजन किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद चंद्रभालमणि तिवारी ने कहा कि देश लोकतांत्रिक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। राजनीतिक दलों को तोड़ने तथा लोगों को जाति और धर्म के नाम पर बांटने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे समय में देश को राहुल गांधी जैसे नेतृत्व से आशा है, जो संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। पूर्व विधायक मंगलदेव सिंह ने कहा कि राहुल गांधी लगातार जनता के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं और भाजपा की नीतियों के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का जन्मदिन तभी सार्थक होगा जब कार्यकर्ता संगठन को मजबूत कर जनता के बीच उनकी विचारधारा को पहुंचाएंगे। प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह श्धीरूश ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों की आवाज बनकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी समय–समय पर देश के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति सरकार को आगाह करते रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश में प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जननायक बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गरीबों, किसानों, महिलाओं, मजदूरों एवं बेरोजगार युवाओं की आवाज हैं। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनका संघर्ष देश की जनता को नई उम्मीद दे रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का परिवार देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाला परिवार है। आज देश का युवा, महिला और बुजुर्ग वर्ग राहुल गांधी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त कर रहा है। उनकी सादगी और जनसरोकार उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बना रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राहुल गांधी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत हैं और देश में वैचारिक राजनीति को मजबूत कर रहे हैं। पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं एआईसीसी सदस्य राजबहादुर यादव तथा जिला कोऑर्डिनेटर विनय कुमार मिश्रा ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए महंगाई, बेरोजगारी, किसान, महिला एवं छात्र हितों के मुद्दों पर उनके संघर्ष की सराहना की। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अब्दुल मन्नान ने कहा, श्राहुल गांधी एक बेहतरीन नेता हैं। आज पूरा देश उनसे उम्मीद लगाए बैठा है और उनकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है।ष कार्यक्रम को डॉ. प्रतीक मिश्रा, सपा पूर्व ब्लॉक प्रमुख सफीक अहमद, गैसड़ी विधायक प्रतिनिधि सफीउल्लाह विकास मंत्री, संजय यादव, अवधेश पाल, संगम लाल शिल्पकार, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी, मनीष चंद्र सोनकर, जद्दन खान, उमाशंकर तिवारी, डॉ. इश्तियाक खान, बबीता आर्य, डॉ. खलीलुल्लाह, मारकंडे मिश्र, अफरोज खान, रामबहादुर, अखिलेश प्रसाद मिश्रा, विजयपाल सिंह, इबरार अहमद, केदारनाथ पांडे, हेमा तिवारी, इनायत फिरोज, सपा नेता अब्दुल करीम, धर्मेंद्र मिश्र, डॉ. राकेश तिवारी, धर्मेंद्र पांडे, प्रदीप शर्मा, विश्वनाथ यादव, डॉ. रोशन लाल यादव, लालबाबू शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश चौहान, अधिवक्ता संतोष पांडे सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अमरिका प्रसाद, समीर सिद्दीकी, आसिफ खान, उत्तम मिश्रा, बृजेश मिश्रा, तिर्जुगी नारायण द्विवेदी, पीयूष यादव, हरीश मिश्रा, शैलेन्द्र यादव पिंकू, दलबहादुर सिंह, दादू सिंह, मायाराम चौहान, नफीस खान, क्षेत्र पंचायत सदस्य पराग चौहान, मोहम्मद जमील, बंटी सिंह, फातिमा जौहरा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धर्मेंद्र प्रजापति से योगी धर्मेश्वर बनने तक का प्रेरणादायी सफर

दैनिक बुद्ध का संदेश/ बालमुकुन्द त्रिपाठी

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर के ग्राम कुचिया मठ निवासी सुमित्रानंदन धर्मेंद्र प्रजापति, पुत्र रामजतन प्रजापति, एक सामान्य परिवार से निकलकर आज योग एवं सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुके हैं। जीवन के कठिन दौर में गंभीर बीमारियों और दो बार मृत्यु के मुख से लौटने के बाद जब योग उनके जीवन में आया, तब उनके भीतर एक नई चेतना और सेवा का संकल्प जागृत हुआ। उन्हें ऐसा अनुभव हुआ मानो असंख्य लोग उनके स्वास्थ्य संदेश की प्रतीक्षा कर रहे हों। बड़े भाई के माध्यम से उन्हें हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ के विद्यार्थी संस्कार शिविर की जानकारी मिली। पांच दिवसीय उस शिविर में स्वामी रामदेव जी महाराज द्वारा प्राप्त आध्यात्मिक और योगिक अनुभवों ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। उसी प्रेरणा को आधार बनाकर उन्होंने अपने ग्राम से योग सेवा का अभियान प्रारंभ किया और उत्तर प्रदेश के 27 जनपदों के साथ–साथ बिहार के पटना, राजस्थान के श्रीगंगानगर तथा हरियाणा के गुड़गांव सहित विभिन्न स्थानों पर निशुल्क योग एवं आयुर्वेद शिविरों का आयोजन कर हजारों लोगों तक स्वास्थ्य का संदेश पहुँचाया। पिछले चार वर्षों से गोरखपुर में ष्ओम फिटनेस योग संस्थानष के माध्यम से वे प्रतिदिन प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में विभिन्न पार्कों में नियमित योग कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। प्रातः ढाई बजे उठकर 3 बजे घर से निकलकर वे प्रतिदिन चार बजे से योग साधकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। मौसम चाहे कोई भी हो, उनकी सेवा निरंतर जारी रहती है। समय मिलने पर वे विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और योग प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। अब तक योगी धर्मेश्वर सैकड़ों निशुल्क योग शिविर आयोजित कर चुके हैं तथा लगभग 150 से अधिक विद्यालयों, महाविद्यालयों और संस्थानों में योग एवं स्वास्थ्य विषयक व्याख्यान दे चुके हैं। आठ वर्षों की अपनी साधना और सेवा यात्रा में वे दस हजार से अधिक योग कक्षाओं का संचालन कर चुके हैं। उनकी निरंतर सेवा, समर्पण और योग प्रचार–प्रसार के कार्यों को देखते हुए दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा मंच से 25 दिसंबर 2024 को सर्व श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य पूज्य स्वामी अर्जुनानंद जी द्वारा धर्मेंद्र प्रजापति को ष्योगी धर्मेश्वरष की उपाधि प्रदान की गई। तब से लोग उन्हें प्रेमपूर्वक योगी धर्मेश्वर के नाम से जानने लगे।योगी धर्मेश्वर का मानना है कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल वासना और रसना तक सीमित नहीं है, बल्कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की दिशा में अग्रसर होना ही जीवन की वास्तविक सार्थकता है। वे बताते हैं कि उनकी अधिकांश सेवाएं पूर्णतः निशुल्क हैं और समाज से प्राप्त दान एवं सहयोग के माध्यम से ही यह मिशन आगे बढ़ रहा है, जो आज ष्सेवा साथी फाउंडेशनष के रूप में विकसित हो चुका है। संघर्ष, अभाव और अनेक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। धैर्य, साहस और वीरता के साथ वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर हैं। उनका संकल्प है कि गुरु गोरखनाथ की पावन नगरी गोरखपुर को स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में एक आदर्श शहर बनाया जाए, जहाँ दवाइयों पर निर्भरता कम हो, लोग योग और आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवन अपनाएँ और रोगियों की अपेक्षा योगियों की संख्या अधिक दिखाई दे।योगी धर्मेश्वर का सपना है कि हठयोग की इस तपोभूमि में भविष्य में देश–विदेश से लोग आकर योग विद्या का अध्ययन करें और इसे अपने–अपने क्षेत्रों में प्रसारित करें। वे गोरखपुर की जनता, जनप्रतिनिधियों तथा उत्तर प्रदेश सरकार से इस जनकल्याणकारी मिशन में सहयोग और सहभागिता की अपेक्षा रखते हैं। शैक्षिक योग्यता की .ष्टि से योगी धर्मेश्वर एम.कॉम., बी.एड., एम.ए. (योग), एन.डी. एवं डी.एन.वाई.एस. हैं। जीवन के प्रारंभिक दिनों में उन्होंने मेलों में गुब्बारे बेचने, अंडे बेचने तथा ठेले पर खीरा काकर तरबूज और अन्य सामग्री बेचने जैसे छोटे–छोटे कार्य भी किए। संघर्षों से भरे जीवन से निकलकर आज वे ईश्वर की .पा और समाज के सहयोग से योग, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में एक नई दिशा देने का सतत प्रयास कर रहे हैं अब तक सैकड़ों बच्चों को योग प्रशिक्षक बना चुके जो कही न कही योग से रोजगार प्राप्त करते है। उनका स्पष्ट संदेश है. ष्योगी कम, भोगी कम और योगी अधिक हों; स्वस्थ, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण ही हमारा लक्ष्य है।ष वर्तमान समय में गोरखपुर के छह भागों में नियंत्रण कक्ष संचालित कर रहे हैं आप इन कक्षाओं का हिस्सा बन सकते हैं और स्वास्थ्य आप भी प्राप्त करके आप भी उनके जैसा उनके साथ कदम से कदम मिलाकर लोग योग सिखाने का कार्य कर सकते हैं यह एक सेवा है इस सेवा में जितना हाथ बढ़ाएंगे ईश्वर कई गुना शक्ति प्रदान करेंगे। योगी धर्मेश्वर योग के साथ साथ बस में 2000 से अधिक पौधों का वितरण वह रोपण करते और समय–समय पर रक्तदान शिविर करते और साथ ही साथ गरीब असहाय बेटियों का शादी हुआ सहयोग भी करने का कार्य करते हैं धार्मिक कार्यक्रमों को योग के साथ जोड़ते रहते हैं उनका कहना है जहां धर्म है वहां अधर्म नहीं रह सकता इसलिए हमारे प्रत्येक योग कक्षाओं में जब भी कोई धर्म की बात आती हैं तो वह जरूर अडिग रहते और अपने धर्म के साथ चलने का प्रयास करते रहते।

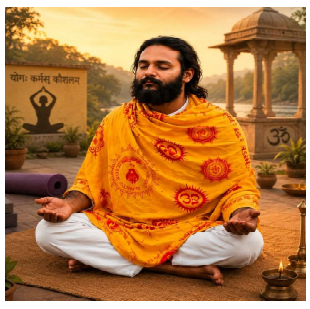

सीड बॉल पर्यावरण संरक्षण की नई परिकल्पना : डॉ. नवीन सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विश्व पर्यावरण दिवस माह के अवसर पर वैश्विक थीम "प्र.ति से प्रेरित . जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" के तहत जनपद में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली तथा युवा विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में बच्चों को प्र.ति और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के उद्देश्य से सीड बॉल निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में बच्चों को मिट्टी और विभिन्न प्रकार के बीज उपलब्ध कराए गए तथा उन्हें सीड बॉल बनाने और उसके उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें प्र.ति संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। मानसून पूर्व बच्चों, ग्रामीणों और महिलाओं

की सक्रिय भागीदारी से लगभग 10 हजार सीड बॉल तैयार किए जा रहे हैं, जिनका उपयोग आगामी दिनों में वृक्षारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए किया जाएगा।मुख्य अतिथि डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि सीड बॉल पर्यावरण संरक्षण की एक नई और प्रभावी परिकल्पना है। इसमें मिट्टी और बीजों से गेंद के आकार की संरचना तैयार की जाती है, जिसे वर्षा ऋतु में खाली एवं बंजर क्षेत्रों में फेंक दिया जाता है। बारिश के बाद इन बीजों का अंकुरण होता है और वहां नए पौधे विकसित होने लगते हैं जो आगे चलकर बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण को हरा–भरा बनाते हैं।उन्होंने कहा कि बच्चों को इस तकनीक के प्रति जागरूक किया गया है ताकि वे अपने आसपास अधिक से अधिक सीड बॉल का उपयोग करें और हरित क्षेत्र के विस्तार में योगदान दें। इससे भविष्य में बेहतर पर्यावरणीय परिणाम प्राप्त होंगे।कार्यक्रम में बृहस्पति कुमार पाण्डेय ने सीड बॉल की वैज्ञानिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मिट्टी, खाद और बीजों का गोलाकार मिश्रण होता है, जो बीजों को पक्षियों, कीड़ों और प्रतिकूल मौसम से सुरक्षा प्रदान करता है। मिट्टी और खाद की परत बीजों को सूखने तथा जानवरों द्वारा खाए जाने से बचाती है। वर्षा होने पर यह बॉल धीरे–धीरे गल जाती है और उसमें मौजूद खाद बीजों को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराती है, जिससे अंकुरण की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।उन्होंने बताया कि यह तकनीक कम खर्चीली, सरल और पर्यावरण अनुकूल है, जिसे कोई भी व्यक्ति आसानी से अपना सकता है। अभियान के तहत समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ते हुए नीम, जामुन, करंजी, महुआ, सीताफल, आम, बहेड़ा और गुलमोहर जैसे वृक्षों के बीजों का संकलन किया जा रहा है। इन बीजों से बड़े पैमाने पर सीड बॉल तैयार किए जा रहे हैं, जिनका उपयोग विशेष अभियान चलाकर खाली एवं अनुपयोगी भूमि को हरित बनाने में किया जाएगा।इस अवसर पर राम पूरन चौधरी एवं संजय कुमार गौतम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सीड बॉल निर्माण किया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने व्यापारियों और कार्यकर्ताओं से किया संवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवा/महराजगंज। केंद्र में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को नौतनवा में एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विशिष्ट नागरिकों, व्यापारी बंधुओं तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया।इस अवसर पर पंकज चौधरी ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण, सुशासन, आत्मनिर्भर भारत, गरीब कल्याण और आधारभूत संरचनाओं के विकास के क्षेत्र में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। सरकार की नीतियों के कारण देश में विकास की नई गति आई है और आमजन के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र निर्माण, सुशासन, आत्मनिर्भरता एवं विकास के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने पर भी विचार–विमर्श हुआ।

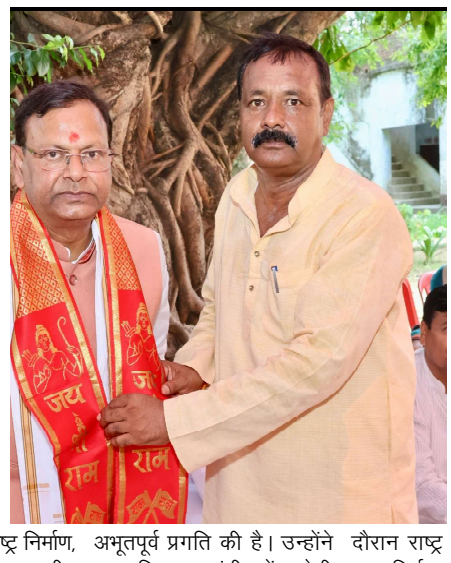

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।भाजपा जिला मंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी वार्ड संख्या–11 बाबू नंदन शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं नागरिकों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचती है तथा जनसंपर्क को मजबूती मिलती है।

चिकवा मंडी विवाद: पत्रकार से गाली–गलौज व धमकी के आरोप में मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

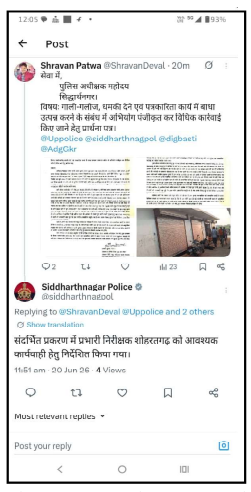

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ में आबादी के बीच संचालित चिकवा मंडी (मीट/मछली मंडी) को हटाने की मांग एवं पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध व अनाधिकृत अतिक्रमण हटाने के बीच एक पत्रकार के साथ कथित अभद्रता एवं धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि वार्ड संख्या–09 शिवनगर निवासी मनीष वर्मा ने जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को प्रार्थना पत्र देकर घनी आबादी के बीच संचालित चिकवा मंडी को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की मांग की थी। शिकायत में मंडी से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों, दुर्गंध, स्वच्छता संबंधी समस्याओं एवं जनस्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभाव का उल्लेख किया गया था। शिकायतकर्ता ने मंडी के समीप मंदिर एवं घनी आबादी होने का भी हवाला देते हुए कार्रवाई की मांग की थी। इसी प्रकरण में बीते 19 जून यानी शुक्रवार को शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा कथित रूप से अवैध एवं अनाधिकृत रूप से संचालित दुकानों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे। आरोप है कि प्रशासनिक कार्रवाई का कवरेज करने पहुंचे पत्रकार श्रवण कुमार पटवा वीडियो बना रहे थे। इसी दौरान मीट व्यवसाय से जुड़े नसीरुद्दीन उर्फ भोपू निवासी मोतीलाल नगर से उनकी कहासुनी हो गई। श्रवण कुमार पटवा द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने उन्हें वीडियो बनाने से रोकने का प्रयास किया तथा सार्वजनिक रूप से अपमानित करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने उन्हें धमकी दी और पत्रकारिता कार्य में बाधा उत्पन्न की। पत्रकार की शिकायत पर थाना शोहरतगढ़ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहरीर के अनुसार शिकायतकर्ता ने घटना की सूचना उसी दिन प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ को लिखित रूप से भी दी थी। वहीं प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि मामले में प्राप्त शिकायत के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में शनिवार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ को सौंपा। सपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक तहसील पहुंचे तथा विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिजली कटौती, घरेलू गैस, डीजल और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

सपा नेताओं ने किसानों को समय से पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने, जर्जर सड़कों की मरम्मत कराने तथा जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों को शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग भी रखी। ज्ञापन में ग्राम सभाओं में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने, मच्छर एवं कीट नियंत्रण के लिए नियमित दवा छिड़काव कराने, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने और कानून–व्यवस्था में सुधार की मांग शामिल रही। जिला उपाध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र यादव ने कहा कि आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन सरकार इन मुद्दों के समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

पिपरहवा हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, हत्या में प्रयुक्त गड़ासा किया बरामद

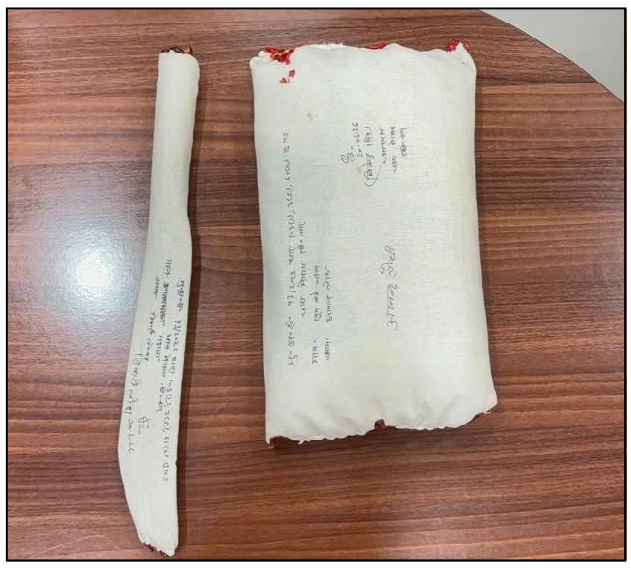

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना मोहाना क्षेत्र के ग्राम पिपरहवा में युवक मुकेश गुप्ता की हुई जघन्य हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त गड़ासा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग और उससे जुड़े विवाद के चलते आरोपितों ने सुनियोजित तरीके से घटना को अंजाम दिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में थाना मोहाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में तिवारी लोध (43), रमेश लोध (42) और आनन्द लोध (20) निवासी दुल्हा सुमाली टोला पिपरहवा को मगरहिया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपितों को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि मृतक मुकेश गुप्ता का आनन्द लोध की बहन उषा से प्रेम संबंध था। आरोपितों के अनुसार अक्टूबर 2025 में उषा ने आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद मुकेश गांव छोड़कर नेपाल और बाद में मुंबई चला गया था। आरोपित तभी से उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस के अनुसार नौ जून 2026 को मुकेश के घर लौटने की जानकारी मिलने पर तिवारी लोध मुंबई से नौगढ़ पहुंचा। इसके बाद 16 जून की रात तिवारी, रमेश और आनन्द ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। रमेश ने मुकेश के घर के आसपास निगरानी कर जानकारी दी कि वह घर की छत पर अकेले सो रहा है। इसके बाद तिवारी और आनन्द छत पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार तिवारी ने मुकेश के पैर पकड़ लिए और आनन्द ने गड़ासे से उसकी गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। वारदात के दौरान रमेश बाहर निगरानी करता रहा। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक अदद गड़ासा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित तिवारी लोध के खिलाफ वर्ष 2021 में हत्या समेत गंभीर धाराओं में एक मुकदमा भी दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस और गहन जांच के आधार पर घटना का सफल अनावरण किया गया है। हत्या में शामिल तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया है। इस कार्यवाही में थानाध्यक्ष मोहाना जितेन्द्र सिंह, एसओजी प्रभारी चन्द्रकान्त पाण्डेय व उनकी टीम, सर्विलांस प्रभारी हरेन्द्र चौहान व उनकी टीम, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल अशोक कुमार तथा कांस्टेबल अभिषेक प्रताप सिंह शामिल रहे।

मोहर्रम को लेकर डीएम–एसपी ने इटवा कस्बे में किया पैदल गश्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आगामी मोहर्रम पर्व एवं जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने थाना इटवा क्षेत्र के कस्बा इटवा में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया। गश्त के दौरान अधिकारियों ने मुख्य मार्गों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, ताजिया रूटों तथा संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। इस दौरान उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी इटवा, प्रभारी निरीक्षक इटवा सहित अन्य अधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

मोहर्रम को लेकर हल्लौर में डीएम–एसपी का पैदल मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आगामी मोहर्रम पर्व के मद्देनजर शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने थाना डुमरियागंज क्षेत्र के कस्बा हल्लौर में भारी पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया। पैदल मार्च के दौरान अधिकारियों ने मुख्य मार्गों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, ताजिया रूटों तथा संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने, प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। इस दौरान उपजिलाधिकारी डुमरियागंज, क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज, प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम–सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने शनिवार को थाना क्षेत्र के ग्राम मरवटिया द्वितीय में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह एवं थानाध्यक्ष खेसरहा अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण महिलाओं से संवाद किया। टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और अपराध की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया।चौपाल में उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, हालांकि किसी भी महिला ने कोई विशेष समस्या नहीं बताई। इस अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी लगाए गए।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्डर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही नए कानूनों एवं साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं।

मोहर्रम को लेकर बांसी में डीएम–एसपी ने किया पैदल गश्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आगामी मोहर्रम पर्व के मद्देनजर शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने थाना बांसी क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया। गश्त के दौरान अधिकारियों ने बांसी के मुख्य मार्गों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, ताजिया रूटों तथा संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने, प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। इस दौरान उपजिलाधिकारी बांसी, क्षेत्राधिकारी बांसी, प्रभारी निरीक्षक बांसी सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सही मायने में चेतावनी के बावजूद बार–बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि साफ हवा औद्योगिक विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती है। यही स्थायी व दूरगामी परिणामों वाले विकास की अपरिहार्य शर्त भी है। सही मायनों में हरियाणा की अर्थव्यवस्था तब तक फल–फूल नहीं सकती, जब तक यहां के लोगों को ...

हरियाणा में बिना प्रदूषण नियंत्रकों के हजारों इकाइयां

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे–बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दर्शाता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ–सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है। इसके बावजूद प्रदूषणरोधी उपकरण लगाने की समय–सीमा और निर्धारित मानकों को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। सही मायने में चेतावनी के बावजूद बार–बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि साफ हवा औद्योगिक विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती है। यही स्थायी व दूरगामी परिणामों वाले विकास की अपरिहार्य शर्त भी है। सही मायनों में हरियाणा की अर्थव्यवस्था तब तक फल–फूल नहीं सकती, जब तक यहां के लोगों को अपनी सेहत की कीमत पर यह विकास करना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि प्रगति और विकास की दृष्टि से राज्य के उद्योगों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इन उद्यमियों ने इनोवेशन और प्रतिस्पर्धा की कसौटी पर अपनी बेहतर क्षमताओं को साबित किया भी है। अब उन्हें इस बात के लिये प्रेरित करना होगा कि वे अब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने में भी वैसी ही प्रतिबद्धता दर्शाएं। सही मायने में किसी भी समाज में असली समृद्धि तभी आ सकती है जब हमारी प्राथमिकताओं में जन–स्वास्थ्य पहले हो।

सूना–सूना मानसून, अल नीनो बड़े दुख दीनो

देखो जी, वैसे तो, मानसून आ रहा है। कायदे से उसे ही आना भी चाहिए। लेकिन लोग कह रहे हैं कि इस बार मानसून कम आ रहा है और अल नीनो ज्यादा आ रहा है। यह कोई ऐसी चीज है जो बारिश को बीच में ही अटका देती है, भटका देती है। अल नीनो न हुआ, किसी राजनीतिक पार्टी का आईटी सेल हो गया जो पार्टी के खिलाफ बनती नाराजगी को कहीं भी भटका देता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस तो हर हफ्ते बना ही रहता है। यह वेस्टर्न डिटरबेंस न हुआ, जॉर्ज सोरस हो गया कि हर हफ्ते विरोधियों की किसी न किसी करतूत में घुसा ही रहता है। कोई कह रहा है कि ईरान–अमेरिका–इस्राइल युद्ध के चलते भयंकर महंगाई आ रही है। आना तो चाहिए तेल, आनी तो चाहिए गैस। लेकिन आ रही है महंगाई। क्या होर्मुज में इसे नहीं रोक सकते? उधर राहुल गांधी कह रहे हैं कि आर्थिक मुसीबतों की सुनामी आ रही है। राहुल गांधी सचमुच डराते बहुत हैं यार। मतलब वोट चोरी को लेकर एटम बम से कम वो फोड़ते नहीं और सुनामी से कम उन्हें कुछ चाहिए नहीं। वोट चोरी का बम तो वो बहुत पहले फोड़ चुके हैं। पर भाजपा की तिजोरी तो भरती ही जा रही है। मतलब वोटों की तिजोरी यार। हम कोई एडीआर थोड़े ही हैं, जो उसके इलेक्टोरल बॉन्ड का हिसाब रखेंगे।

वैसे जी, इलेक्टोरल बॉन्ड का पैसा भाजपा के बाद अगर सबसे ज्यादा किसी को मिल रहा था, तो तृणमूल कांग्रेस को मिल रहा था। लेकिन पता चला कि वहां तो जलजला आया हुआ है। मतलब चंदे का पैसा कितना ही हो, वह न तो हार रोक पाता है और न ही पार्टी में बिखराव। दीदी की सरकार क्या लुटी, उनकी पूरी पार्टी के ही लुटने की नौबत आ गयी। तृणमूल कांग्रेस राजनीतिक पार्टी न हुई साहब, आशिक का दिल हो गयी कि इस दिल के टुकड़े हजार हुए, कोई यहां गिरा, कोई वहां गिरा। पता चला कि एक टुकड़ा रितब्रत बनर्जी ले जा रहे हैं और तो एक टुकड़ा काकोली घोष ले जा रही हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि दीदी आप तो जल्दी से बस हमारे यहां आ आ जाओ, नहीं तो बची–खुची गठरी भी लुट जाएगी। शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव तो खैर आता ही रहता है। यह पैसे वालों का ऐसा झूला है, जिसका मजा लिए बिना वे मानते नहीं। फिर चाहे कितने ही चक्कर और कितनी ही उलटियां आएं। इधर जेन जी के आने का हल्ला मचा हुआ था। कॉकरोच दिल्ली में घुसे चले आ रहे थे। जिन लोगों को उन पर हिट चलने की उम्मीद थी, उनकी वह उम्मीद पूरी नहीं हुई। खैर, अब और कुछ आए न आए, पेपर लीक तो आएगा। यह तय है। नहीं?

युवाओं को जीवटता से जीने की मिले सीख

नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने की दिशा में पहल की है, लेकिन उसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। आज जरूरत शिक्षा व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने में है। स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, प्रभावी करियर परामर्श, विद्यार्थियों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता, अभिभावकों में जागरूकता और सफलता की व्यापक परिभाषा विकसित करना समय की मांग है...

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक तैयार करना है जो बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें। किसी भी समाज का भविष्य अंततः उन युवाओं पर निर्भर करता है जो संतुलित, मानवीय और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने वाले भी हों। आज देश के लाखों परिवार अपने बच्चों की सफलता के सपने कोचिंग संस्थानों के भरोसे बुन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने की आकांक्षा में किशोर उम्र से ही बच्चे ऐसी प्रतिस्पर्धा में उतर जाते हैं, जहां हर परीक्षा भविष्य का फैसला और हर रैंक पहचान का पैमाना बन जाती है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं ने कोचिंग संस्कृति को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। लेकिन इस चमकदार सफलता के पीछे एक दूसरा सच भी छिपा है, जिसमें बढ़ता मानसिक दबाव, सिमटता बचपन और अंकों तक सीमित होती शिक्षा शामिल है। तो क्या हम युवाओं को जीवन के लिए शिक्षित कर रहे हैं या केवल परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहे हैं?

भारत दुनिया के सबसे अधिक युवाओं वाले देशों में शामिल है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर देती है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है। हर वर्ष करोड़ों युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। वर्ष 2025 में जेईई मेन परीक्षा में करीब 15 लाख

विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि आईआईटी में सीटें लगभग 20 हजार हैं। इसी प्रकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों की एक लाख से कम सीटों के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने नीट यूजी परीक्षा दी। ये आंकड़े बताते हैं कि प्रतियोगिता अब केवल कठिन नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र और तनावपूर्ण हो चुकी है।

विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और प्रयागराज जैसे शहर प्रमुख कोचिंग केंद्र बन गए हैं। हजारों विद्यार्थी घरों से दूर रहकर तैयारी करते हैं और अनेक परिवार अपनी बचत का बड़ा हिस्सा इस पर खर्च कर देते हैं। शिक्षा अब ऐसा निवेश बनती जा रही है, जिसके बदले सफलता की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।

कोचिंग संस्थानों ने अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया है। छोटे शहरों के कई छात्रों ने इनके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। लेकिन इसके साथ डमी एडमिशन जैसी प्रवृत्ति भी बढ़ी है। अनेक विद्यार्थी केवल औपचारिक रूप से स्कूलों में दाखिला ले लेते हैं और उनका अधिकांश समय कोचिंग संस्थानों में बीतता है। इससे खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं।

इस पूरी व्यवस्था का सबसे गंभीर असर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देता है। नियमित टेस्ट, रैंकिंग, प्रदर्शन की तुलना और लगातार बेहतर करने का दबाव बच्चों को मानसिक रूप से थका देता है। असफलता का भय उन्हें चिंता, तनाव और अवसाद की ओर धकेलता है। कई विद्यार्थियों को यह महसूस होने लगता है कि उनका पूरा भविष्य एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सफलता की यह दौड़ कई बार युवाओं के लिए असहनीय बोझ बन जाती है। हालांकि इस स्थिति के लिए केवल कोचिंग संस्थानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अधिकांश माता–पिता बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार उनकी अपेक्षाएं अनजाने में दबाव का कारण बन जाती हैं। हमारे समाज में आज भी डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के बजाय सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप करियर चुनने के लिए विवश हो जाते हैं। वास्तविकता यह है कि नई अर्थव्यवस्था ने अवसरों के अनेक नए द्वार खोले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से संभावनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

कोचिंग संस्कृति का बढ़ता प्रभाव हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि स्कूल विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और तार्किक समझ प्रदान कर पा रहे होते, तो कोचिंग की आवश्यकता इतनी व्यापक नहीं होती। स्कूलों में शिक्षकों की कमी, रटने पर आधारित शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा ने इस निर्भरता को बढ़ाया है।

युद्धों का चेहरा बदलता अदना–सा ड्रोन

जैसे–जैसे ड्रोन से शक्ल पाकर 'अनघड़ लड़ाई' यु)क्षेत्र का स्वरूप बदल रही है, इतिहास में इस किस्म की उथलपुथल से आगे चलकर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन होते आए हैं। अंग्रेजों का 'लश्वन्गबो' इसका उदाहरण था। इतिहास में ऐसे अन्य उदाहरण भी हैं। जैसे–जैसे सत्ता का संतुलन बदलता है और पुरानी व्यवस्था टूटती है, नए साम्राज्य और गठबंधन बनते हैं। इस प्रक्रिया...

मौजूदा समय में ड्रोन युद्ध के तरीके को बदल रहे हैं। इसके चलते छोटे देश भी महाशक्तियों का मुकाबला कर पा रहे हैं। रूस–यूंक्रेन और अमेरिका–इस्राइल–ईरान युद्धों में ड्रोन ने अहम भूमिका निभाई। इसका असर जियो पॉलिटिक्स व सुरक्षा रणनीति...

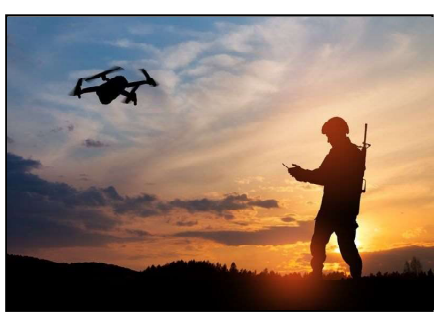

मौजूदा समय में ड्रोन युद्ध के तरीके को बदल रहे हैं। इसके चलते छोटे देश भी महाशक्तियों का मुकाबला कर पा रहे हैं। रूस–यूंक्रेन और अमेरिका–इस्राइल–ईरान युद्धों में ड्रोन ने अहम भूमिका निभाई। इसका असर जियो पॉलिटिक्स व सुरक्षा रणनीति पर होगा। भारत के लिए भी इससे सैन्य चुनौतियां पैदा हुई हैं। तेरहवीं सदी में इंग्लिश लॉन्गबो (एक किस्म का लंबा धनुष) खतरनाक हथियार के तौर पर उभरा। इसको 13वीं और 15वीं सदी के बीच इंग्लैंड की सैन्य ताकत के दबदबे का प्रतीक माना जाता है। मध्ययुगीन युद्धों में लड़ाई की तकनीक में भी यह एक बड़ा बदलाव लेकर आयाकृइंग्लैंड की सैन्य ताकत कवच धारी कुलीनों से हटकर आम लोगों से बने तीरंदाजों की भुजाओं में आ गई। यह बदलाव इतना अहम था कि एडवर्ड तृतीय ने शाही फरमान जारी किया रू '... प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति रविवार व छुट्टियों के दिन तीरंदाजी का अभ्यास करेगा, और अन्य सभी खेलों पर रोक होगी।' एजिनकोर्ट की लड़ाई (सन 1415) शायद इस शक्ति परिवर्तन की बेहतरीन मिसाल है, जिसमें लगभग 7,000 सैनिकों की (इनमें 5,000 तीरंदाज थे) की छोटी सी इंग्लिश सेना ने कवच से लैस घुड़सवार योद्धाओं वाली विशाल फ्रांसीसी सेना (जिसमें करीब 20,000 सैनिक थे) को हरा दिया। लॉन्गबो ने आम लोगों को सैन्य ताकत का अहम हिस्सा बना दिया और व्यापार व कारीगरी की पूरी इकॉनोमी को आगे बढ़ाया। शेक्सपियर ने अपने नाटकों में, एजिनकोर्ट की लड़ाई से पहले किंग हेनरी पंचम के संवादों से इस बदलाव को अमर बना दिया रू 'हम कुछ लोग, चंद खुशकिस्मत लोग हैं, भाइयों से बना हमारा समूह हैय जो कोई आज मेरे साथ अपना खून बहाएगा वह

मेरा भाई होगाय चाहे वह कितने भी निम्न तबके से क्यों न हो, आज का दिन उसकी हैसियत ऊंचा उठाने वाला होगा।' वर्तमान में ड्रोन एक खतरनाक हथियार बन चुका है। यह आधुनिक युद्ध के तौर–तरीकों को बदल रहा है, जिसमें, कहीं छोटे देश भी महाशक्तियों की सैन्य ताकत का मुकाबला कर रहे और धूल चटा रहे हैं। यह होते हमने रूस–यूक्रेन युद्ध और अमेरिका–इस्राइल–ईरान संघर्ष में देखा है। गोलियथ (विशालकाय योद्धा) का मुकाबला डेविड इसलिए कर पाया कि उसने पास नए मारक हथियार के रूप में गुलेल थी, आज वही गुलेल ड्रोन का रूप धर चुकी है। सस्ते और बड़े पैमाने पर बनने वाले ड्रोनों ने विशाल सेनाओं व जंगी बेड़ों का मुकाबला करने में कामयाबी हासिल की है।

आइए रूस का उदाहरण लें। रूस लंबे समय से यूक्रेन पर हमला करने और कब्जे में लेने की योजना बना रहा था। निरंतर अपना विस्तार कर रहे नाटो ने उसे ऐसा करने का बहाना दे दियाय नाटो ने यूक्रेन को सदस्य बनाकर, रूसी सीमाओं तक पहुंचकर उसके लिए खतरनाक बनना चाहा। रूसियों ने 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किया, जो कि दरअसल एक पूर्ण–स्तरीय हमला था।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की थी कि कुछ ही दिनों में यह अभियान पूरा हो जाएगा। टीवी पर बख्तरबंद गाड़ियों के काफिले यूक्रेन में घुसते देखे गए। हालांकि, उन्होंने दुश्मन को कमतर आंकने की बड़ी गलती की। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो का समर्थन मिला, खासकर हथियार, गोला–बारूद और खुफिया जानकारी के मामले में। धीरे–धीरे रूसी सेना मुश्किलों में फंसती गई। यूक्रेन ने शनैः–शनैः विशाल रूसी सेना की बढ़त रोक दी। 'द हिंदू' के हालिया लेख में कहा गया : 'यूक्रेन ने आम ड्रोन, जो आम लोगों के इस्तेमाल के लिए बनाए गए थे, को तेजी से जासूसी और हमलावर प्रणाली में बदल दिया। जो फौरन निर्णायक युद्ध क्षमता में बदल गई, क्योंकि छोटे क्वाडकॉप्टर और फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन को हथियारों से लैस कर कम लागत वाली किंतु सटीक निशाना लगाने वाली हथियार प्रणाली के तौर पर प्रयोग किया।' ड्रोन तबाही मचाने वाले सक्रिय हथियार बन गए और 2024 तक, यूक्रेनी सेना की लगभग हर टुकड़ी उससे लैस हो गई। तब से ड्रोन का विकास बहुत तेजी से हुआ। ड्रोन ने युद्ध की दिशा–दशा बदल दीय बचाव की मुद्रा में रहने के बजाय, यूक्रेन अब रूस के गहरे अंदर तक हमले कर रहा। 'तीन दिन' का अभियान ऐसे युद्ध में बदल गया है, जो अब पांचवें साल में है। इस संदर्भ में ईरान के साथ अमेरिका–इस्राइल युद्ध का जिक्र करना भी जरूरी है। अमेरिकियों ने खाड़ी क्षेत्र में विशाल सैन्य बेड़े भेजे, सैनिक जमा किए और अपनी ताकतवर वायु सेना को तैनात किया, साथ ही ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। इसके बाद, इस्राइल संग मिलकर हवाई हमले किए और ईरान के आध्यात्मिक, सैन्य और खुफिया नेतृत्व को खत्म कर दिया, और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटाने तक की धमकी दी। अमेरिका ने ईरानियों की सभ्यतागत जीवट और इतिहास, तथा लाखों ड्रोन और मिसाइलों बनाने में उनकी तरक्की, उनके दूसरे एवं तीसरे स्तर के उनके नेतृत्व, और रणनीतिक व सामरिक सूझबूझ को अनदेखा कियाकृअहंकार और गलतियों ने फिर एक महाशक्ति को मात दे दी। ईरानियों ने ड्रोन और मिसाइलों से खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और अमेरिकी सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए। इस्राइल पर भी ऐसे हथियारों से लगातार हमले किए। व्यापारिक जहाजरानी पर ड्रोन व मिसाइल हमलों के भय का इस्तेमाल कर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद कर देना, रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक रहाय इसने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में गूंजा 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन–2026 के तहत प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन अम्बेडकर सभागार में सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विधायक जय प्रताप सिंह, विधायक श्यामधनी राही, विधायक विनय वर्मा, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. सतीश चंद्र द्विवेदी तथा भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। जिला विकास अधिकारी ने अतिथियों का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और देश की तुलना अब विकसित एवं शक्तिशाली राष्ट्रों से की जा रही है। उन्होंने युवाओं, मातृशक्ति और प्रबुद्ध समाज से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश ने विकास की नई गति प्राप्त की है। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, उद्योगों का विस्तार हुआ है और आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत पुनः विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं ने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा। जनपद में सड़क, पुल और ऑडिटोरियम सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित हैं तथा पात्र लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। जनपद में मेडिकल कॉलेज, ऑडिटोरियम और सड़कों सहित अनेक विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मान निधि और जनधन जैसी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर शिवपति डिग्री कॉलेज शोहरतगढ़ के प्राचार्य अरविंद सिंह, बुद्ध विद्या पीठ डिग्री कॉलेज के प्राचार्य अभय श्रीवास्तव सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

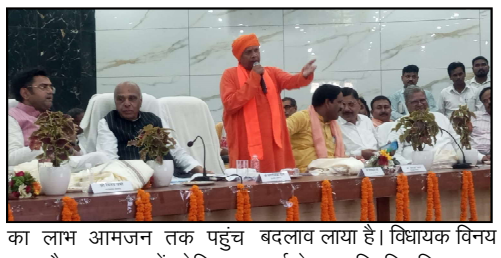

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

पति के ब्रम्हभोज में भी बाधा डाल रहे हैं दबंग सूदखोर: पत्नी ने डीआईजी से किया पुलिस सुरक्षा दिलाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सूदखोरों के चंगुल में फंसकर कोतवाली थाना क्षेत्र के पोखरभिटवा निवासी हरेन्द्र सिंह ने मजबूरन आत्महत्या कर लिया। उसकी पत्नी शोभना सिंह की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज किया किन्तु कोई कार्रवाई न किये जाने से दबंग सूदखोरों का मनोबल इतना बढ गया है कि शोभना के पति हरेन्द्र सिंह का ब्रम्हभोज तक नहीं होने दे रहे हैं। शोभना सिंह ने डीआईजी को पत्र देकर कहा है कि गांव के ही सूदखोर श्याम बहादुर सिंह व राघवेन्द्र सिंह उर्फ पप्पू सिंह पुत्रगण जय प्रकाश सिंह के विरूद्ध पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया, इससे उनका मनोबल बढ गया है और वे पति हरेन्द्र सिंह का ब्रम्हभोज

तक नहीं होने दे रहे हैं। शोभना सिंह पर मुकदमा वापस लेने के लिए और सुलह करने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रलोभन तथा नाजायज दबाव बना रहे है न मानने पर उसे व परिजनो को जान माल की धमकी दे रहे है। उसके घर का रास्ता बन्द कर दिया है और शोभना के घर जो भी लोग काम करने वाले साफ सफाई करने वाले व कहार को भी धमकी दे रहे है कि उसके घर जाओगें तो अन्जाम बहुत बुरा होगा । दबंग सूदखोर इतने ताकतवर हैं कि मुल्जिमानो के विरूद्ध कोई गवाही देने को तैयार नही है। शोभना सिंह ने डीआईजी को पत्र देकर दोषियों की गिरफ्तारी और पति का ब्रम्हभोज सम्पन्न कराने के लिये पुलिस की व्यवस्था कराये जाने की मांग किया है।

उल्टे हैं मरीज के आन्तरिक अंगः श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में सफल आपरेशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में चिकित्सकों की टीम ने एक जटिल आपरेशन के द्वारा मरीज को नया जीवनदान दिया। गौर विकास क्षेत्र के पतिला निवासी संदीप कुमार के पित्त की थैली में पथरी थी। जांच में पता चला कि संदीप के आन्तरिक अंग उल्टी दिशा में थे। चिकित्सकों के लिये यह चुनौतीपूर्ण था। दूरबीन विधि से संदीप का सफल आपरेशन किया गया। अब वह स्वास्थ्यलाभ ले रहा है। वरिष्ठ सर्जन डा. नवीन मौर्य, एमडी एनेस्थीसिया डा. असरार अहमद की टीम ने सफल आपरेशन किया। चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल की स्थापना जिन उद्देश्यों से किया गया था वह निरन्तर साकार हो रहा है और चिकित्सकों की टीम नये आयाम विकसित कर रही है। यह बड़ी उपलब्धि है।

पुलिस में भर्ती कराने, पेपर लीक में कथित भूमिका का भय दिखाकर 48 लाख रूपये की ठगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुलिस में भर्ती कराने और पेपर लीक कराने में कथित भूमिका का भय दिखाकर 48 लाख रूपये के ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में कप्तानगंज पुलिस महुलानी बुर्जुग निवासी बजरंगीलाल मौर्य की तहरीर पर मदनपुरा निवासी इब्राहीम, सोनू और साहिल के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर मामले की विवेचना कर रही है। तहरीर में कहा गया है कि पुलिस भर्ती के लिए विज्ञापन निकला था जिसमें बजरंगीलाल मौय की लड़की करिश्मा मौर्य अभ्यर्थिनी थी। उसने परीक्षा दिया। उसकी जान–पहचान का मदनपुरा, निवासी इब्राहिम पुत्र मैनुल्लाह ने कहा कि रूपया लगेगा और पुलिस में भर्ती हेतु 8 लाख रूपया नकद लिया । जब उसकी लड़की का नाम चयन लिस्ट में नहीं आया तो उसने इब्राहिम से पैसा वापस मांगा। इब्राहिम ने कहा कि कुछ दिन रूकिये मैं पैसा वापस कर दूँगा। फिर एक दिन वह एक कागज लेकर आया और बताया कि पेपर लीक कराने में तुम्हारी लड़की और तुम्हारे लड़के किशन का नाम आया है, यह सुप्रीम कोर्ट का वारण्ट है जिसमें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। इसको सुन कर वह काफी काफी डर गया। वह उसे दिल्ली गया और एक कार्यालय में जहाँ 5–6 लोग बैठे थे जिसमें इब्राहिम का लड़का सोनू और साहिल भी मौजूद था और तमाम तरह का कागज दिखाया। इब्राहिम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में वकील करेंगें 40 लाख रूपया लगेगा मुकदमा समाप्त हो जायेगा। उसने पुनः खेत बेचकर इब्राहिम को कई बार में 20 लाख रूपया पुनः दिया कुछ दिन के बाद इब्राहिम ने दो लोगों को साजिश करके मेरे घर पर भेजा मै पुनः डर गया और बचने के लिए उक्त लोगों को 8 लाख रूपया दे दिया। पुनः इब्राहिम कई बार हम प्रार्थी को मोबाइल में झूठा मैसेज दिखाकर और झूठा कागज दिखाकर कुल 48 लाख रूपया कपटपूर्ण तरीके से ले लिया। इब्राहिम मेरे मुझे बार–बार धमकी दे रहा था कि यदि रूपया नहीं दोगें तो तुम लोग जेल चले जाओगे। इस तरह से इब्राहिम ने मुझे जाली पहचान पत्र दिखाकर तथा मोबाइल में झूठा मैसेज दिखाकर कपटपूर्ण तरीके से लाभ लेने की नियत से झूठी बातें कहकर डरा–धमकाकर 48 लाख रूपये हड़प लिये। रूपया वापस मांगने पर अब इब्राहिम द्वारा तरह–तरह की धमकियां दी जा रही है। बजरंगीलाल मौर्य ने इस ठगी के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और 48 लाख रूपया वापस कराने की मांग एसपी से किया है।

खेसरहा थाना क्षेत्र में मरवटिया द्वितीय में मिशन शक्ति चौपाल, महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने शनिवार को थाना क्षेत्र के ग्राम मरवटिया द्वितीय में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह एवं थानाध्यक्ष खेसरहा अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण महिलाओं से संवाद किया। टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और अपराध की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराया।चौपाल में उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, हालांकि किसी भी महिला ने कोई विशेष समस्या नहीं बताई। इस अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी लगाए गए।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्डर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही नए कानूनों एवं साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं।

दो रिहायशी मड़हे राख , सामान जला

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के कबूलपुर धरिकार बस्ती में .दोपहर अचानक लगी आग से दो रिहायशी मड़हे जलकर राख हो गए। आग की चपेट में आने से नकदी, खाद्यान्न और घरेलू उपयोग का सामान नष्ट हो गया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। उक्त गांव निवासी अशोक कुमार धरिकार मजदूरी के लिए बाहर गए थे, जबकि उनकी पत्नी दवा लेने कबुलपुर बाजार गई थीं। इसी दौरान उनके मड़हे में आग लग गई। ग्रामीणों ने उन्हें घटना की सूचना दी। जब तक वह मौके पर पहुंचीं, तीन मड़हों में से दो पूरी तरह जल चुके थे।ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और एक मड़हे को जलने से बचा लिया।

गर्मी और अघोषित बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित

बाराबंकी। भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच रहा है, जिसके कारण दोपहर में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। गर्म हवाएँ और उमस भरा मौसम लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। इस तेज गर्मी का असर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी स्पष्ट दिख रहा है। जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में उल्टी, दस्त, बुखार, चक्कर और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। चिकित्सक लोगों को पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचने और केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं। दूसरी ओर, अघोषित बिजली कटौती और लो–वोल्टेज की समस्या ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। शहरी क्षेत्रों में बार–बार बिजली ट्रिपिंग और घंटों की कटौती से लोग परेशान हैं।

सपा अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में संगठन के मजबूती पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। समाजवादी पार्टी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रवि गोंड 'बड़कू' ने संगठन को मजबूत करने, जनजातीय समाज को पार्टी से जोड़ने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा किया। इसके साथ ही उन्होने टेमा, कुम्हिया, रक्सा, लौकियहवा और मुण्डेरवा में चौपाल लगाकर लोगों को समाजवादी पार्टी के नीति, कार्यक्रम से जोड़ा।सपा कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष रवि गोंड 'बड़कू' ने समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव–गांव जाकर पार्टी की नीतियों और जनहितकारी कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन की मजबूती को पार्टी की सबसे बड़ी ताकत बताया और सभी पदाधिकारियों को निष्ठा व सक्रियता से कार्य करने पर जोर दिया।कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष रवि गोंड 'बड़कू' का समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। समीक्षा बैठक में विधायक राजेन्द्र प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष राजाराम यादव, गोंड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनाथ गोंड, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, अरविन्द गोंड के साथ ही बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।सपा अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अमित गोंड विक्की ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुये कहा कि जनपद में बूथ स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं और लोगों को सपा की विचारधारा से जोड़ा जा रहा है।समीक्षा बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने और जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाने पर जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। मुख्य रूप से जावेद पिण्डारी, यूनुस आलम, रहमान सिद्दीकी, अरविन्द सोनकर, नित्यराम चौधरी, अजय यादव, सालिकराम गोंड़, शुभम गोंड़, दीपचन्द्र गोंड, राहुल गोंड, बलराम गोंड, हनुमान गोंड, जय गोंड, गौरीशंकर, नीरज गोंड, देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, रामाशीष वर्मा, विवेक यादव, राहुल सिंह, प्रदीप यादव, संदीप निषाद के साथ ही बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का भव्य शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय सांसद एवं वरिष्ठ नेता जगदंबिका पाल तथा क्षेत्रीय विधायक श्यामधनी राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कल्याण ज्वेलर्स के बिजनेस हेड जोस सी, फ्रेंचाइजी ओनर कुमार गौरव एवं स्टोर मैनेजर सुजीत कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों ने नए शोरूम के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठान के खुलने से जनपद के लोगों को विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण आभूषणों की खरीदारी का बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। साथ ही इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर बिजनेस हेड जोस सी ने कहा कि कल्याण ज्वेलर्स हमेशा ग्राहकों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और विश्वास के साथ सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। वहीं फ्रेंचाइजी ओनर कुमार गौरव ने सभी अतिथियों एवं ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शोरूम में ग्राहकों को नवीनतम डिजाइनों एवं उत्कृष्ट सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने शोरूम का अवलोकन किया तथा इसके आधुनिक स्वरूप और आकर्षक आभूषण संग्रह की सराहना की। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और सभी ने नए शोरूम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

योग दिवस की पूर्व संध्या पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने किया श्रमदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में स्वच्छता अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद जगदंबिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष गोविंद माधव तथा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने सहभागिता करते हुए साफ–सफाई की। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर देशभर में स्वच्छता अभियान शुरू किया गया, जिसमें स्वयं प्रधानमंत्री ने भी भाग लेकर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से बीमारियों की रोकथाम होती है और समाज स्वस्थ एवं सुरक्षित रहता है। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी नौगढ़ राहुल सिंह, पीडी संदीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी चंदन सिंह, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित इस श्रमदान कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

तहसील समाधान दिवस में पहुंचे 102 मामले, डीएम ने दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के तहत तहसील इटवा में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में जनशिकायतों की सुनवाई की गई। तहसील इटवा में आयोजित समाधान दिवस में राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति, विद्युत तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं उपजिलाधिकारी इटवा कुणाल द्वारा की गई, जबकि पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने की। जिलाधिकारी ने पिछले तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की आख्या का अवलोकन किया। समीक्षा के दौरान कुछ मामलों में तत्काल जिला स्तरीय टीम गठित कर मौके पर जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील समाधान दिवस एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों पक्षों की उपस्थिति में निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी विभाग का तहसील दिवस से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए। यदि किसी विभाग का मामला अनावश्यक रूप से लंबित पाया गया तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में कुल ''102 प्रार्थना पत्र'' प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व विभाग के 52, पुलिस विभाग के 11, विकास विभाग के 7, विद्युत विभाग के 9, पूर्ति विभाग के 2, नगर पंचायत के 6 तथा अन्य विभागों से संबंधित 15 प्रार्थना पत्र शामिल रहे। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग से संबंधित 9 मामलों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया। शेष मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को तीन दिवस के भीतर शत–प्रतिशत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीएफओ श्रीमती नीला एम, क्षेत्राधिकारी इटवा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, अधिशासी अभियंता विद्युत डुमरियागंज, तहसीलदार इटवा, तहसील क्षेत्र के समस्त थानाध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल स्थित वन स्टॉप सेंटर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

'सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने जिला अस्पताल परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली, अभिलेखों तथा वहां रह रही महिलाओं एवं बच्चियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया तथा वन स्टॉप सेंटर में रह रही बच्चियों के संबंध में जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वर्तमान में केंद्र पर छह लोगों को आश्रय प्रदान किया गया है और उनकी काउंसलिंग की प्रक्रिया चल रही है। जिलाधिकारी ने केंद्र की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश देते हुए गार्ड रूम को शीघ्र हैंडओवर कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर में रह रहे लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी सुरक्षा और देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

मेडिकल कॉलेज में पुलिस चौकी का उद्घाटन, मरीजों और कर्मचारियों को मिलेगी बेहतर सुरक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थापित पुलिस चौकी का उद्घाटन सांसद जगदंबिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने सांसद जगदंबिका पाल तथा पुलिस अधीक्षक ने विधायक श्यामधनी राही का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में पुलिस चौकी की स्थापना से मरीजों, उनके परिजनों तथा कर्मचारियों को सुरक्षा संबंधी सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि उपचार के साथ सुरक्षा भी आवश्यक है और यह चौकी सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने पुलिस चौकी के निर्माण की सराहना करते हुए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को कम समय में इसे मूर्त रूप देने के लिए बधाई दी। सांसद ने कहा कि मेडिकल कॉलेज से प्रथम बैच के 100 डॉक्टर शिक्षा प्राप्त कर निकल चुके हैं, जो देश और विदेश में अपनी सेवाएं देंगे। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि पुलिस चौकी के संचालन से मेडिकल कॉलेज आने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर एक पिछड़ा जनपद होने के बावजूद विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सांसद जगदंबिका पाल के प्रयासों से अनेक सड़कों का निर्माण हुआ है तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। नेपाल सीमा से सटे जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में यह चौकी महत्वपूर्ण कदम है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने कहा कि पुलिस चौकी की स्थापना से मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने बताया कि सांसद द्वारा पूर्व में मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी एवं ओपीडी सेवाओं में सुधार के निर्देश दिए गए थे, जिनके अनुरूप व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सुधार किया गया है।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश मोहन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया सहित अन्य अधिकारी, चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑटो दुर्घटना में कई घायल, 108 एंबुलेंस ने पहुंचाया अस्पताल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के नहलवावा रैनजोत के पास एक ऑटो और बाइक की आमने–सामने हुई टक्कर में ऑटो सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में शांति देवी पत्नी झब्बू (45 वर्ष) को गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद मौजूद राहगीरों ने आपातकालीन सहायता के लिए 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएचसी बसंतपुर पर तैनात एंबुलेंस संख्या UP32EG4157 के ईएमटी संतोष कुमार एवं पायलट उमेश कुमार ने मात्र 8 मिनट में 6 किलोमीटर की दूरी तय कर घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। इस दौरान ईएमटी द्वारा फोन पर ही परिजनों को प्राथमिक उपचार संबंधी आवश्यक निर्देश भी दिए गए। घटनास्थल पर पहुंचकर टीम ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया और उन्हें सुरक्षित रूप से एंबुलेंस में शिफ्ट किया। इसके बाद ट्रेनर आलोक एवं ईआरसपी डॉ. सुरेंद्र के मार्गदर्शन में मरीजों को तत्काल 50 बेड अस्पताल, बांसी में भर्ती कराया गया। समय पर मिली चिकित्सा सहायता और

एंबुलेंस कर्मियों की तत्परता के कारण मरीजों को शीघ्र उपचार उपलब्ध हो सका। मरीज के परिजनों एवं चिकित्सकों ने 108 एंबुलेंस सेवा की सराहना करते हुए कहा कि ईएमटी द्वारा घटनास्थल पर दी गई बेहतर प्राथमिक चिकित्सा से अस्पताल पहुंचने के बाद उपचार में महत्वपूर्ण समय की बचत होती है, जिससे मरीज के स्वस्थ होने की संभावना और अधिक बढ़ जाती है। 108 एंबुलेंस सेवा एक बार फिर आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हुई।

समाज के हितों से जुड़े मुद्दो पर सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत,, सर्वेश पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पांडेय ने शनिवार को राबर्ट्सगंज स्थित रामलीला मैदान में आयोजित संगठन के कार्यक्रम में समाज को एकजुटता का संदेश देते हुए शैक्षिक, सामाजिक और सांस्तिक उत्थान के लिए संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों की सहायता तथा समाज के हितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत बताई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सर्वेश पांडेय का संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता एकता और संगठन है। समाज की मजबूती तभी संभव है जब सभी लोग मिलकर शिक्षा, संस्ति और सामाजिक विकास के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान दें। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सवर्ण समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को अपने इतिहास और विरासत से परिचित कराना आवश्यक है। साथ ही समाज की घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते

हुए इस विषय पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भगवान परशुराम मंदिर निर्माण में तन, मन और धन से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा में हरसंभव मदद की जानी चाहिए, ताकि संसाधनों के अभाव में कोई भी छात्र पीछे न रह जाए। उन्होंने ऐसे छात्रों की व्यक्तिगत स्तर पर भी सहायता करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बिहार में भरत तिवारी की मौत के मामले का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय होने पर समाज को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए। सर्वेश पांडेय ने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य समाज को संगठित करना और सामाजिक हितों के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि संगठन किसी जाति या वर्ग के विरोध में नहीं है, लेकिन समाज के हितों के विरुद्ध कार्य करने वालों का समर्थन नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक ने सुनीं जन समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। तहसील ओबरा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस

के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार ने फरियादियों की जन समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।समाधान दिवस के दौरान पहुंचे शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का निष्पक्ष और प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है।विशेष रूप से भूमि विवाद से संबंधित मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा मामलों का त्वरित और न्यायोचित निस्तारण किया जाए।इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई।इसी क्रम में जनपद के सभी क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने–अपने सर्किल अंतर्गत संबंधित तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

सोनौली नगर पंचायत को मिली नई ऊर्जा, नवागत ईओ सुरभि मिश्रा ने संभालते ही दिखाई सक्रियता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। नगर पंचायत सोनौली की नवागत अधिशासी अधिकारी (ईओ) सुरभि मिश्रा ने कार्यभार ग्रहण करते ही अपनी सक्रिय कार्यशैली का परिचय दिया। पहले ही दिन उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान ईओ सुरभि मिश्रा कोटही स्थित मंदिर एवं गौशाला पहुंचीं, जहां उन्होंने साफ–सफाई, रखरखाव और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गौशाला में पशुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर में भी स्वच्छता और सुव्यवस्थित संचालन पर विशेष ध्यान देने को कहा।उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में जनसुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता होगी तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। साथ ही नगर क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं को लेकर नियमित निगरानी की जाएगी।इस अवसर

पर ठेकेदार हरिनंद उपाध्याय, बड़े बाबू संजय श्रीवास्तव, पप्पू लाला, विजय त्रिपाठी सहित नगर पंचायत के कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।नवागत ईओ की सक्रियता को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक चर्चा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि एक ऊर्जावान और संवेदनशील अधिकारी के नेतृत्व में नगर पंचायत के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनसमस्याओं के समाधान में तेजी आएगी।क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि सुरभि मिश्रा के नेतृत्व में नगर पंचायत सोनौली में पारदर्शी प्रशासन, बेहतर व्यवस्थाएं और विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। लोगों ने उनके सफल एवं जनहितकारी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।दुद्धी, सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को भाजपा दुद्धी मंडल द्वारा नगर पंचायत स्थित शिवाजी तालाब परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने तालाब, मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों की साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।कार्यकर्ताओं ने लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक करते हुए स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। हम सभी को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर

भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए तथा अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना चाहिए।भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपक शाह एवं स्वच्छता अभियान के संयोजक मनीष जायसवाल ने बताया कि संगठन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर "12 साल बेमिसाल" पखवाड़ा मनाया जा रहा है। यह अभियान 5 जून से 21 जून तक चल रहा है, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शिवाजी तालाब पर स्वच्छता अभियान संचालित किया गया।अभियान के दौरान तालाब की सफाई करते समय विभिन्न प्रकार का कचरा निकला, जिसमें शराब एवं बीयर की खाली बोतलें भी शामिल थीं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रशासन का ध्यान इस ओर आ.ष्ट कराते हुए तालाब परिसर में इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाने तथा संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री मनोज सिंह बबलू, पंकज अग्रहरि अंशुमान राय, अजय चंद्रवंशी,विकास मद्धेशिया, विकास सोनी, धीरज जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनभद्र मॉडल जनपद बनने की ओर अग्रसर : हरदीप सिंह पुरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्रा.तिक गैस मंत्री हरदीप सिंह

पुरी ने सोनभद्र दौरे के दौरान स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस एवं ब्लड डोनेट बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने पंचायत रिसोर्स सेंटर में आयोजित 'सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष' विषयक विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।प्रदर्शनी में मंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार 3–डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, आईओटी और एआई आधारित मॉडलों की सराहना की। उन्होंने अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं स्वी.ति पत्र भी प्रदान किए।अपने संबोधन में हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और सोनभद्र भी पिछड़े जनपद की पहचान से निकलकर मॉडल जनपद बनने की दिशा में अग्रसर है।इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़, राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड़, विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक के मामले में प्रभारी निरीक्षक ने दिए जांच के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम टांगिया बालपुर निवासी चिनगुद पुत्र भवानी प्रसाद द्वारा अपने पुत्र दीप नारायण के साथ हुई सड़क दुर्घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है।प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि दिनांक 15 जून 2026 को ग्राम ककरहा बालपुर के पास मारुति सुजुकी ऑल्टो कार के चालक द्वारा कथित रूप से तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल में पीछे से टक्कर मार दी गई, जिससे दीप नारायण एवं उनके भाई पंकज गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल दीप नारायण की कमर में गंभीर चोट एवं फ्रैक्चर होने की बात बताई गई है।मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात ने प्रार्थना पत्र पर जांच एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस द्वारा दुर्घटना से संबंधित तथ्यों, अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।पीड़ित परिवार ने दोषी वाहन चालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई तथा न्याय की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अलग पूर्वांचल राज्य की मांग को लेकर संघर्षरत संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की पूर्व संध्या पर तहसील रॉबर्ट्सगंज स्थित अधिवक्ता भवन में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता मुस्ताक अली एडवोकेट ने की।पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा के महासचिव पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि योग भारतीय संस्ति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योग अपनाने का आह्वान किया तथा कहा कि जिस प्रकार योग शरीर और मन को संतुलित करता है, उसी प्रकार पूर्वांचल राज्य की स्थापना क्षेत्रीय विकास एवं सामाजिक संतुलन के लिए आवश्यक है।संगठन के राष्ट्रीय सचिव राजेश कुमार यादव एड ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में योग तनावमुक्त एवं स्वस्थ जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है। श्री जायसवाल ने युवाओं से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की तथा कहा कि पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा क्षेत्र के समग्र विकास, युवाओं के रोजगार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार संघर्षरत है। बैठक की संचालन कर रहे डी बी ए सोनभद्र के महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि योग भारतीय सभ्यता की पहचान है और इसे जन–जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में रमेश चंद्र सिंह,संजीव कुमार, सुरेश सिंह कुशवाहा, टीटू प्रसाद गुप्ता, राजकुमार पटेल, सुरेश सिंह पटेल, आदर्श देव पांडेय,संतोष चतुर्वेदी, संतोष कुमार आदि लोगो ने अपने विचार रखे।

नाली निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप, घटिया ईंटों से हो रहा है निर्माण, जिम्मेदार मौन

कुशीनगर। जनपद के पड़रौना विकास खंड के ग्राम पंचायत जंगल बनबीरपुर में गांव में से नहर तक लाखों रुपये की लागत से कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी करते हुए घटिया गुणवत्ता की ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है।निर्माणाधीन नाली कई स्थानों पर शुरुआती दौर में ही क्षतिग्रस्त होने लगी है,जिससे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार सरकारी धन से कराए जा रहे इस विकास कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। खराब गुणवत्ता की ईंटों से निर्माण कराए जाने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मामले को लेकर जब खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) पड़रौना कमलेश राय से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। शिकायत मिलने के बाद तत्काल इसकी जांच कराई जाएगी और मौके पर अधिकारियों को भेजकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। वहीं मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) वंदिता श्रीवास्तव ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश दिए गए हैं। यदि जांच में घटिया सामग्री के प्रयोग या किसी भी प्रकार की अनियमितता की पुष्टि होती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस और इनोवा कार की भिड़ंत में दो घायल, बारिश के दौरान हुआ हादसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के मुर्धवा–बीजपुर मार्ग पर शनिवार की सुबह रोडवेज बस और इनोवा कार की आमने–सामने की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए हिंडालको चिकित्सालय भेजवाया।शनिवार की सुबह बीजपुर से मिर्जापुर जा रही रोडवेज बस की रंटोला के समीप जौनपुर से अंबिकापुर जा रही एक इनोवा कार से भिड़ंत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब क्षेत्र में बारिश हो रही थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इनोवा कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में घायल आशीष कुमार और अभिषेक कुमार, दोनों निवासी जौनपुर, को तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से हिंडालको चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया।चौकी प्रभारी जितेंद्र सरोज ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल भिजवाने के साथ ही दुर्घटनाग्रस्त बस और कार को क्रेन की सहायता से सड़क से हटवाया गया, जिससे यातायात को सुचारु रूप से बहाल कराया जा सका।पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी होने की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद दोनों वाहनों के चालकों एवं प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बज्रपात अलार्म सिस्टम को किया जा रहा अपग्रेड, अब 40 किमी दूर बिजली गिरने पर मिलेगा अलर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विकासखंड दुद्धी के बज्रपात प्रभावित 31 गांवों में

स्थापित वज्रपात अलार्म सिस्टम को इन दिनों अत्याधुनिक तकनीक से अपग्रेड करने का कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था के दो सदस्यीय इंजीनियर दल द्वारा विभिन्न गांवों में लगे अलार्म सिस्टम का निरीक्षण एवं तकनीकी उन्नयन किया जा रहा है।इंजीनियर भूपेंद्र सिंह एवं शिवशंकर साव ने बताया कि पूर्व में स्थापित वज्रपात अलार्म सिस्टम को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाया जा रहा है। अपग्रेडेशन के बाद यह सिस्टम 40 किलोमीटर दूर होने वाली आकाशीय बिजली की गतिविधियों का पता लगाकर लगभग आधा घंटा पहले सायरन के माध्यम से लोगों को सतर्क करेगा। सायरन की आवाज करीब तीन किलोमीटर की दूरी तक सुनी जा सकेगी।उन्होंने बताया कि विकासखंड के अमवार, रजखड़, जोरूखाड़, फुलवार, खजूरी, केवल, बिंडर, करहिया, गडदरवा सहित कई गांवों में लगे अलार्म सिस्टम को अपग्रेड किया जा चुका है तथा शेष स्थानों पर कार्य जारी है।गौरतलब है कि भौगोलिक .ष्टि से पहाड़ी एवं वनाच्छादित क्षेत्र होने के कारण दुद्धी क्षेत्र में प्रतिवर्ष वज्रपात की घटनाएं होती रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है। ऐसे में वज्रपात अलर्ट अलार्म सिस्टम की स्थापना के बाद लोगों को समय रहते चेतावनी मिलने लगी है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आई है और जनहानि पर प्रभावी अंकुश लगा है।

सर्पदंश से अधेड़ अचेत,जिला अस्पताल रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।म्योरपुर विकास खंड के अंजानी ग्राम पंचायत के बकरीहवां टोला में शुक्रवार की रात करीब दस बजे लघुशंका के लिए घर से बाहर निकले अधेड़ को विषैले कोबरा सांप ने दाएं पैर में काट लिया जिससे अधेड़ अचेत हो गया। अधेड़ की पहचान अंजानी निवासी 46 वर्षीय शंभुलाल पुत्र रामानुज के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने शंभुलाल को निजी वाहन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर में भर्ती कराया गया जहां उपस्थित चिकित्सक डा० अराधना ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया।डा० अराधना ने अधेड़ को एंटी स्नैक वेनम की दस खुराकें दी लेकिन उसकी हालत में सुधार होता न देख बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस पर मैं वापस आऊंगा का बजा डंका, भारत भाग्य विधाता, गवर्नर की डूबी लुटिया

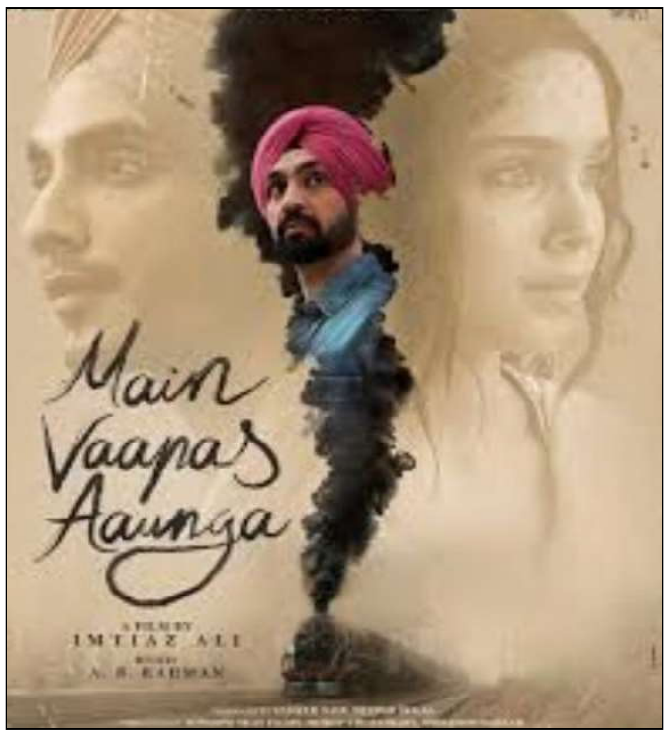

सिनेमाघरों में मौजूद तमाम फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है. नई रिलीज फिल्मों में से, कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता और मनोज बाजपेयी की गवर्नर बेहद खराब परफॉर्म कर रही हैं. जबकि दिलजीत दोसांझ की फिल्म मैं वापस आऊंगा और इम्तियाज अली की हॉन्टेड 3 डी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. इन सबके बीच है जवानी तो इश्क होना है भी कमाई की रेस में शामिल हैं. चलिए यहां इन सभी फिल्मों के गुरुवार की कमाई के आंकड़े जानते हैं.

इम्तियाज अली की डायरेक्ट की गई फिल्म मैं वापस आऊंगा को बॉक्स ऑफिस पर मिला–जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है. इसे सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो गया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को 2. 20 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इसका 7 दिनों का भारत में कुल नेट कलेक्शन अब 12.25 करोड़ हो गया है.

वहीं कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पा रही है. रिलीज के 7 दिन बाद भी ये 10 करोड़ भी नहीं कमा पाई है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को 42 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ इसकी भारत में 7 दिनों की कुल नेट कमाई अब 6.52 करोड़ रुपये हो गई है.

इधर विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म श्हॉन्टेड 3डीय भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है. रिलीज के 7 दिनों में इसने अपना बजट वसूल कर लिया है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को 1.15 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म की 7 दिनों की कुल कमाई अब 15.90 करोड़ रुपये हो गई है.

मनोज बाजपेयी की गवर्नर बॉक्स ऑफिस पर बुरी हालत में है.. रिलीज के 7 दिन में ही इसकी सिट्टी पिट्टी गुम हो चुकी है और इसके लिए चंद लाख कमाने भी मुश्किल हो रहे हैं. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनलिक की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक गवर्नर ने रिलीदज के 7वे दिन यानी गुरुवार को 30 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ गवर्नर की 7 दिनों की कुल कमाई अब 5.05 करोड़ रुपये हो गई है.

वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई है. हर दिन इसकी कमाई घट रही है.14वें दिन तो ये लाखों में सिमट गई है. बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक है जवानी तो इश्क होना है ने रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 90 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 14 दिनों की कुल कमाई अब 49.40 करोड़ रुपये हो गई है.

जैकलीन फर्नांडीज अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म में आएंगी नजरय इस महीने शुरू होगी शूटिंग

फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित

कर दिया है।सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीजर और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर–कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।फिल्म से जुड़ी और अपडेट्स के लिए बने रहिए।

अर्जुन सर्जा की ब्लास्ट अब ओटीटी पर मचाएगी धमाल, रिलीज डेट हुई अनाउंस

अर्जुन सर्जा की हालिया रिलीज फिल्म श्ब्लास्ट्य ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म किया है. वहीं फैंस इसके डिजिटल प्रीमियर का भी इंतजार कर रहे हैं. फाइनली अब मेकर्स और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने फिल्म की डिजिटल रिलीज की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी है. जानते हैं ये फिल्म ओटीटी पर कब और कहां स्ट्रीम करेगी?

अर्जुन सर्जा, अभिरामी और प्रीति मुकुंदन स्टारर एक्शन ड्रामा ब्लास्ट साल 2026 की सरप्राइज हिट फिल्मों में से एक साबित हुई है. एक्शन, फैमिली इमोशनस और सोशल थीम के ब्लेंड वाली ब्लास्ट ने तमिल और तेलुगु दोनों बाजारों में दर्शकों का दिल जीत लिया. वहीं थिएटर में मिली सफलता और बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म करने के बाद अब यह फिल्म ऑनलाइन स्ट्रीम होने जा रही है. मेकर्स द्वारा की गई अनाउंसमेंट के मुताबिक ब्लास्ट 25 जून से ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी. यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होगी, जिससे यह दुनिया भर के दर्शकों के लिए अवेलेबल हो जाएगी. अर्जुन सर्जा की एक्शन एंटरटेनर ब्लास्ट तीसरे हफ्ते में भी बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा परफॉर्म कर रही है. उम्मीद के मुताबिक वीकडेज में इसकी कमाई थोड़ी कम हुई है, लेकिन फिल्म थिएटर में मजबूती से टिकी हुई है., इसकी कामयाबी ने इसे इस सीजन की अहम तमिल फिल्मों में से एक बना दिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लास्ट ने भारत में 19वें दिन (तीसरे सोमवार) 0.93 करोड़ रुपये की नेट कमाई की. फिल्म ने वीकेंड पर जबरदस्त कमाई की थी जिसमें 17वें दिन 2.26 करोड़ रुपये और 18वें दिन 2.65 करोड़ रुपये शामिल हैं. फिलहाल इस फिल्म भारत में कुल नेट कलेक्शन 47.58 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसका ग्रॉस कलेक्शन 54.70 करोड़ रुपये है. ब्लास्ट ने घरेलू मार्केट के अलावा इंटरनेशनल मार्केट में भी अच्छे आंकड़े दर्ज किए हैं. फिल्म ने ओवरसीज में 14.05 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे पता चलता है कि विदेशी दर्शकों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. घरेलू और इंटरनेशनल कलेक्शन को मिलाकर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 68.75 करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है.

धनुष की फिल्म का टाइटल अनाउंस, ओम चौप्टर 1–उधिरमः द ब्लड वुड फर्स्ट लुक भी आया सामने, 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी मूवी

साउथ सुपरस्टार धनुष पिछले लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म डी55 को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी हैं. ये दोनों की साथ में पहली फिल्म है. दर्शक

इस एक्शन ड्रामा का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब फाइलनी धनुष की फिल्म डी55 का टाइटल अनाउंस हो गया है. इसके साथ मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. चलिए जानते हैं ये फिल्म कब रिलीज होगी. धनुष की अपकमिंग फिल्म का नाम ओम चौप्टर 1– उधिरमरू द ब्लड वुड है. फिल्म से एक्टर का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, जिसमें उनका धांसू अवतार देखने को मिल रहा है. इस लुक में वो दमदार, इंटेंस और रॉ एक्शन वाइब दे रहे हैं. बारिश के बीच खड़े धनुष का पूरा अंदाज काफी डार्क और पावरफुल दिख रहा है. ब्लैक शर्ट और जीन्स में धनुष का भीगा हुआ लुक इसे और ज्यादा एग्रेसिव बना रहा है. एक हाथ में बंदूक और दूसरे हाथ में कुल्हाड़ी थामे धनुष का ये अवतार बेहद खतरनाक और एक्शन से भरपूर नजर आ रहा है. ये फिल्म हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी. ओम चौप्टर 1– उधिरमरू द ब्लड वुड दो पार्ट में रिलीज होगी और इसका पहला पार्ट 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. इस फिल्म को खुद धनुष प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म का म्यूजिक साई अभ्यंकर ने तैयार किया है. धनुष के अलावा इस फिल्म में ममूटी, साई पल्लवी और श्रीलीला जैसे एक्टर्स नजर आएंगे. फिल्म में एक्शन के साथ–साथ सस्पेंस भी देखने को मिलेगा.

क्या दूध का अधिक सेवन बन सकता है ऑस्टियोपोरोसिस का कारण? जानिए सच्चाई

दूध को पोषक तत्वों का भंडार माना जाता है। इसका सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि दूध का अधिक सेवन ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकता है। इस धारणा के पीछे कुछ वैज्ञानिक तथ्यों और व्यक्तिगत अनुभवों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। आइए जानते हैं कि क्या वाकई दूध का अधिक सेवन ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकता है या यह सिर्फ एक भ्रम है।

ऑस्टियोपोरोसिस क्या है?

ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें हड्डियां कमजोर और नाजुक हो जाती हैं। इससे हड्डियों के टूटने का खतरा बढ़ जाता है। इस समस्या में हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और वे तेजी से टूटने लगती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए संतुलित डाइट, नियमित एक्सरसाइज और जीवनशैली में बदलाव जरूरी हैं। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह पर कैल्शियम और विटामिन–डी सप्लीमेंट भी लेने चाहिए। इस स्थिति का सही समय पर इलाज करना बहुत जरूरी है।

दूध और कैल्शियम का महत्व

दूध में कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों के विकास और मजबूती के लिए जरूरी है। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। इसके अलावा दूध में विटामिन–डी भी होता है, जो कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। इस प्रकार दूध का सेवन ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में सहायक हो सकता है, लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है।

क्या दूध का अधिक सेवन ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है?

इस सवाल का कोई ठोस जवाब नहीं है, क्योंकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इसका कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला है कि दूध का अधिक सेवन ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकता है। हालांकि, कुछ अध्ययनों में यह पाया गया है कि अत्यधिक मात्रा में दूध पीने से शरीर में एसिडिक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे हड्डियों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसलिए, संतुलित मात्रा में ही दूध का सेवन करना चाहिए।

संतुलित डाइट का महत्व

संतुलित डाइट में न केवल दूध, बल्कि अन्य पोषक तत्वों का भी ध्यान रखना जरूरी है, जैसे हरी सब्जियां, फल, अनाज और प्रोटीन स्रोत। इन सभी खाद्य पदार्थों से शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जो हड्डियों को मजबूती देने में मदद करते हैं। केवल दूध पर निर्भर रहना सही नहीं होता। इसलिए, हर प्रकार के पोषक तत्वों का संतुलित मिश्रण होना चाहिए, ताकि शरीर को सभी जरूरी तत्व मिल सकें।

निष्कर्ष

दूध का सेवन ऑस्टियोपोरोसिस रोकने में मददगार हो सकता है, लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। संतुलित डाइट और जीवनशैली में बदलाव करके ही इस स्थिति से बचाव संभव है। इसलिए, किसी भी खाद्य पदार्थ या पेय को अधिक मात्रा में नहीं लेना चाहिए। सही जानकारी और सावधानी बरतकर ही स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव करना संभव हो सकता है। आप अपने डॉक्टर से भी इस विषय में सलाह लेकर सही निर्णय ले सकते हैं।